

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 5, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, उनका परमेश्वर, प्रायश्चित

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 5 है, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, उनका परमेश्वर, प्रायश्चित।

हम चर्च या चर्च-शास्त्र के सिद्धांत पर अपना व्याख्यान जारी रखते हैं।

आइए हम प्रभु की खोज करें। दयालु पिता, अपने वचन में खुद को हमारे सामने प्रकट करने के लिए आपका धन्यवाद। अपने बेटे को दुनिया का उद्धारकर्ता, यहाँ तक कि हमारा उद्धारकर्ता बनने के लिए भेजने के लिए आपका धन्यवाद। हमारे दिलों में पवित्र आत्मा भेजने के लिए आपका धन्यवाद, ताकि हम जान सकें कि आप हमारे पिता हैं और हम आपके बच्चे हैं। प्रभु यीशु और उनके चर्च और उनके लोगों के लिए हमारे प्यार को बढ़ाएँ। अध्ययन करते समय हमें आशीर्वाद दें; हमारे परिवारों को आशीर्वाद दें, हम भी यीशु के पवित्र नाम के माध्यम से माँगते हैं। आमीन।

हम पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों का अध्ययन कर रहे हैं। हमने बगीचे में आदम और हव्वा के साथ शुरुआत को देखा है, नूह के समय से लेकर नए नियम तक के सभी वाचाएँ, चुनाव, बंधन से मुक्ति, और अब हम एक शीर्षक पर आते हैं: परमेश्वर के लोग और उनके परमेश्वर।

यहोवा स्वयं अपने पुराने नियम के लोगों को परिभाषित करता है। उनकी पहचान केवल उसके संबंध में ही समझी जा सकती है। इसलिए, हम उसके नाम और गुणों का अध्ययन करते हैं।

जब परमेश्वर मूसा को बुलाता है और उसे इस्राएलियों के पास भेजता है, तो वह पूछता है, अगर मैं इस्राएलियों के पास जाऊँ और उनसे कहूँ, तुम्हारे पूर्वजों के परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, और वे मुझसे पूछें, उसका नाम क्या है? मैं उन्हें क्या बताऊँ? प्रभु का उत्तर उसकी ओर उसके लोगों की पहचान को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। परमेश्वर ने मूसा को उत्तर दिया, मैं वही हूँ जो मैं हूँ। यही तुम्हें इस्राएलियों से कहना है। मैं यह संदेश तुम्हें भेज रहा हूँ।

परमेश्वर ने मूसा से यह भी कहा कि इस्राएलियों से कहो, तुम्हारे पूर्वजों के परमेश्वर यहोवा, अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर, और याकूब के परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। सदा के लिए मेरा नाम यही रहेगा। इसी तरह से मुझे हर पीढ़ी में याद किया जाएगा, निर्गमन 3:14, और 15।

इसलिए, हम परमेश्वर के नाम और परमेश्वर के गुणों पर नज़र डालेंगे और देखेंगे कि कैसे परमेश्वर स्वयं पुराने नियम के लोगों को परिभाषित करने में मदद करता है - परमेश्वर का नाम। परमेश्वर के नाम के अर्थ पर व्याख्याकारों और अनुवादकों के बीच बहस हुई है।

ईसाई धर्मशास्त्र, पृष्ठ 91 में एक सहायक सारांश प्रदान करते हैं। "सिनाई वाचा के मध्यस्थ, मूसा के लिए यह रहस्योद्घाटन वजनदार है क्योंकि इसके साथ, भगवान हमेशा के लिए अपनी पहचान की घोषणा करते हैं। सबसे पहले, भगवान ने घोषणा की कि वह मैं हूँ। वह अपने लोगों के साथ रहने के वादे में निहित उसी क्रिया का उपयोग करता है, पद 12, उनके प्रति अपनी वाचा की वफादारी पर जोर देते हुए। दूसरा, मैं हूँ, क्रिया से होने के लिए, भगवान की संप्रभु स्वतंत्रता को भी प्रकट करता है। वह इस्राएलियों पर निर्भर नहीं है, लेकिन वे उस पर निर्भर हैं। तीसरा, भगवान मैं हूँ को याहवे के साथ बदल देता है, जिसका अनुवाद भगवान ने पद 15 में किया है, और कहा कि वह अब्राहम, इसहाक और याकूब का भगवान है

परमेश्वर अपने लोगों को अपने साथ सम्बन्ध के आधार पर परिभाषित करता है। वह विश्वासयोग्य है और उन्हें कभी नहीं छोड़ेगा। वह सर्वोच्च है, और उनका अस्तित्व उसके मुफ्त अनुग्रह पर निर्भर करता है।

वह उनके साथ वाचा में प्रवेश करता है और उन्हें अपने वाचा के लोगों के रूप में दावा करता है, यहां तक कि वह खुद को उनके प्रति प्रतिबद्ध करता है। परमेश्वर के गुण। परमेश्वर भी अपने गुणों को प्रकट करके पुराने नियम में खुद को प्रकट करता है, और ये भी उसके लोगों को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ईश्वर के असंप्रेषणीय गुणों को उसके संप्रेषणीय गुणों से अलग करना आम बात है। पहले वाले गुण ईश्वर के वे गुण हैं जो केवल उसके हैं, मनुष्यों के साथ साझा नहीं किए जा सकते, असंप्रेषणीय। दूसरे वे गुण हैं जो वह मनुष्यों के साथ साझा करता है, संप्रेषणीय।

परमेश्वर के अविभाज्य गुण। इनमें शामिल हैं अस्तित्व, यिर्मयाह 2:13। एकता, व्यवस्थाविवरण 6:4 और 5। आध्यात्मिकता, वह एक आध्यात्मिक प्राणी है जिसका कोई शरीर नहीं है, निर्गमन 6:1-4। अनंतता, भजन 147:5, यशायाह 57:15। सर्वव्यापकता, 1 राजा 8:27, यिर्मयाह 23:23 और 24। सर्वशक्तिमानता, व्यवस्थाविवरण 4:37, यशायाह 40:26। सर्वज्ञता, अय्यूब 28:24, भजन 147:5। अनंत काल, भजन 90:9-0, पद 2 और 4। अपरिवर्तनीयता, भजन 102:27, मलाकी 3:6। और महानता, निर्गमन 15:11, भजन 86:8-10। मुझे यह फिर से करना होगा क्योंकि इसमें बहुत सारी पंक्तियाँ हैं।

ईश्वर के अविभाज्य गुणों में अस्तित्व भी शामिल है। उसकी कोई शुरुआत नहीं है। वह अपना स्रोत स्वयं है।

यह भी सही नहीं है। मैं इसे इस तरह कहना पसंद करता हूँ। उसके पास कोई स्रोत नहीं है।

वह जीवित ईश्वर है। वह अकारण है, यही अस्तित्व का अर्थ है, यिर्मयाह 2:13। एकता, वह एक है, व्यवस्थाविवरण 6:4 और 5। आध्यात्मिकता, उसका कोई शरीर नहीं है, निर्गमन 6:1-4। अनंतता, वास्तव में, साबित करना बहुत मुश्किल है। और ये आयतें उसी दिशा में जाती हैं, मैं इसे इस तरह से कहूँगा।

दूसरे शब्दों में, मुझे यकीन नहीं है कि यहूदियों के पास अनंत की धारणा थी या नहीं। वैसे भी, भजन 147:5, यशायाह 57:15। मैं इस बात से इनकार नहीं कर रहा हूँ कि ईश्वर अनंत है। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि मानवीय शब्दों के लिए इसे व्यक्त करना कठिन है।

सर्वव्यापकता, 1 राजा 8:27. वह मंदिर में अपना नाम प्रकट करता है। वहाँ उसकी विशेष उपस्थिति है, लेकिन वह सर्वोच्च स्वर्ग में स्वर्ग और पृथ्वी को भरता है। वह मंदिर तक सीमित नहीं है।

यिर्मयाह 23:23-24. सर्वशक्तिमानता, व्यवस्थाविवरण 4:37, यशायाह 40, पद 26. सर्वज्ञता, अय्यूब 28:24, भजन 147:5. अनंत काल, भजन 90, पद 2 और 4. अपरिवर्तनीयता, भजन 102:27, मलाकी 3:6. और महानता, निर्गमन 15:11, भजन 86:8-10. ये गुण दर्शाते हैं कि वह संचारी गुणों में हमसे बिलकुल अलग है।

वे उसके लोगों को उसके प्रति भय में खड़े होने और उसकी सेवा करने के लिए प्रेरित करते हैं। अपने वचन में, वह अपने लोगों को अपने गुणों की सेवा करता है। उसकी अस्तित्व, यहाँ अब परमेश्वर के गुणों के उदाहरण हैं, जो उसके गुणों का उपयोग करते हैं, परमेश्वर अपने गुणों में, अपने लोगों की सेवा करता है।

उसकी अस्मिता, एकता और आध्यात्मिकता मूर्तिपूजा के विरुद्ध चेतावनी देती है। व्यवस्थाविवरण 4:15-20, यिर्मयाह 2:13। उसकी अस्मिता, वह अकारण है, उसका कोई कारण नहीं है। एकता और आध्यात्मिकता हमें मूर्तिपूजा के विरुद्ध चेतावनी देती है।

कोई प्रतिमा मत बनाओ क्योंकि परमेश्वर एक आत्मा है। जब उसने आग में से तुमसे बात की, तब तुमने कोई रूप नहीं देखा, व्यवस्थाविवरण 4:15-20, यिर्मयाह 2:13। अपने अनंत संसाधनों, अनंतता से, वह हमारी देखभाल करता है और हमें नया बनाता है। यशायाह 40:10-11। यशायाह 40:29-31। यहाँ तक कि जवान, जोशीले जवान भी थक जाते हैं।

2,000 मील की मैराथन नहीं दौड़ते। वे मर जाएंगे। भगवान मैराथन धावकों को भी ताकत देते हैं।

अपने असीम संसाधनों में, वह अपने लोगों की देखभाल करता है और उन्हें नया बनाता है। यशायाह 40:10-11:29-31। वह हमेशा हमारी अगुआई करने और हमें थामे रखने के लिए हमारी उपस्थिति में हमारे साथ रहता है। भजन संहिता 139:7-11। मैं आपकी उपस्थिति से कहाँ भाग सकता हूँ? कहीं नहीं, कहीं नहीं।

वह हमें छुड़ाने के लिए अपनी सर्वशक्तिमान शक्ति का उपयोग करता है। निर्गमन 14:30-31, व्यवस्थाविवरण 4:37। निर्गमन 14:30-31, व्यवस्थाविवरण 4:37। वह अपने लोगों को छुड़ाने के लिए अपनी सर्वशक्तिमत्ता का उपयोग करता है। उसका ज्ञान अनंत है, वह हमें करीब से जानता है और हमें विस्मय में डालता है।

भजन 139:1-6. भजन 147:5. ऐसे विचार मेरे लिए बहुत ही अद्भुत हैं। मैं उन्हें रोक नहीं सकता, भजनकार कहता है। भजन 139:1-6. भजन 147:5. उसकी अनंतता उसे हमारा शरणस्थान बनाती है।

भजन 90:1-2. अनादि काल से अनन्त काल तक, आप ही परमेश्वर हैं। सभी पीढ़ियों से, आप ही हमारा शरणस्थान रहे हैं। भजन 90:1-2. उनकी अद्वितीय अपरिवर्तनशीलता, उनकी अपरिवर्तनीयता, हमें बनाए रखती है।

यह तथ्य कि वह बदलता नहीं है, हमें सुरक्षित रखता है। भजन 102:27, मलाकी 3:6. क्योंकि मैं, यहोवा, बदलता नहीं, इसलिए हे याकूब के पुत्रों, तुम नाश नहीं हुए। अन्यथा, तुम कई बार नाश हो जाते।

भजन 102:27, मलाकी 3:6. उसकी अतुलनीय महानता हमारी आराधना को प्रेरित करती है. निर्गमन 15:11. भजन 86:8-10. परमेश्वर की अतुलनीय महानता, हम शब्दों के लिए संघर्ष करते हैं. भजन 150.

उनकी महानता की महानता। अनुवादक कहते हैं कि उनकी अनंत महानता। उनके महान कार्यों के लिए उनकी प्रशंसा करें।

उसकी उत्कृष्ट महानता के लिए उसकी स्तुति करो। उसकी महानता की महानता। उसकी अतुलनीय महानता हमारी आराधना को प्रेरित करती है।

निर्गमन 15:11. भजन 86:8-10. परमेश्वर के संचार योग्य गुण। ये वे गुण हैं जो वह हमारे साथ साझा करता है। असंप्रेषणीय और संचार योग्य के बीच इस पूरे भेद के साथ भी समस्याएँ हैं।

अभी इस पर बात करने का समय नहीं है। फिर भी, यहाँ आपके लिए एक संसाधन है। क्रिस्टोफर मॉर्गन, *क्रिश्चियन थियोलॉजी*, 117-119, समस्याओं पर चर्चा करते हैं और बताते हैं कि हम अभी भी इन टैग का उपयोग क्यों करते हैं और ऐसा करने की ताकत और कमज़ोरियाँ क्या हैं।

इतना ही कहना काफी है। परमेश्वर के संचार योग्य गुण। इनमें व्यक्तित्व शामिल है, यशायाह 45:22। परमेश्वर बुद्धि, भावनाओं और इच्छाशक्ति वाला एक व्यक्ति है।

संप्रभुता, व्यवस्थाविवरण 4:39. भजन 103:19. बुद्धि, व्यवस्थाविवरण 34:9. अय्यूब 12:13. सच्चाई, 1 शमूएल 15:29. यशायाह 45:19. विश्वासयोग्यता, यहोशू 21:45. भजन 89:1 और 2 और 5. पवित्रता, लैव्यव्यवस्था 11:44. 1 शमूएल 6:10. धार्मिकता, निर्गमन 34:7. भजन 11:7. प्रेम, निर्गमन 34:6 और 7. यिर्मयाह 31:3. अनुग्रह, निर्गमन 34:6. होशे 3:1. दया, निर्गमन 3:7. भजन 103:10. भलाई, भजन 145:9. नहेमायाह 9:25. धैर्य, निर्गमन 34:6. भजन 103:8. और महिमा, भजन 29:3. यशायाह 6:1-6.

एक बार फिर. परमेश्वर के गुण जो वह हमारे साथ साझा करता है, उनमें व्यक्तित्व शामिल है,

यशायाह 45:22. संप्रभुता, व्यवस्थाविवरण 4:39. भजन 103:19. बुद्धि, व्यवस्थाविवरण 34:9. अय्यूब 12:13. आप कहते हैं, व्यवस्थाविवरण 34 यहाँ बहुत बार दिखाई देता है. मुझे खेद है, मैं निर्गमन 34 के बारे में सोच रहा हूँ. निर्गमन 34 यहाँ बहुत बार दिखाई देता है. यह जरूर दिखाई देता है. यह वह जगह है जहाँ परमेश्वर अपना नाम प्रकट करता है. लेकिन यह सही था. बुद्धि, व्यवस्थाविवरण 34:9. अय्यूब 12:13. सत्यता, 1 शमूएल 15:29. यशायाह 45:19. विश्वासयोग्यता, यहोशू 21:45. भजन 89:1 और 2 और 5. पवित्रता, लैव्यव्यवस्था 11:44. 1 शमूएल 6:10. धार्मिकता, निर्गमन 34:7. भजन 11:7. प्रेम, निर्गमन 34:6 और 7. यिर्मयाह 31:3. अनुग्रह, निर्गमन 34:6. होशे 3:1. दया, निर्गमन 3:7. भजन 103:10. भलाई, भजन 145:9. नहेमायाह 9:25. धैर्य, निर्गमन 34:6. भजन 103:8. और महिमा, भजन 29:3. यशायाह 6:1-8. हालाँकि परमेश्वर के अवर्णनीय गुणों और मानवीय गुणों के बीच की दूरी अधिक है, फिर भी परमेश्वर के अवर्णनीय गुणों और हमारे गुणों के बीच एक बहुत बड़ा अंतर मौजूद है। परमेश्वर की बुद्धि, पवित्रता और प्रेम और हमारे गुणों के बीच के अंतर पर विचार करें।

तीन उदाहरण देना चाहूँगा। फिर भी, सभी मनुष्य परमेश्वर के कुछ संचारी गुणों को प्रदर्शित करते हैं क्योंकि उसने उन्हें अपनी छवि में बनाया है। क्या मैं उद्धार न पाने वाले लोगों को भी शामिल कर रहा हूँ? हाँ, मैं कर रहा हूँ।

हालाँकि, सीमित प्राणियों के रूप में, वे अपने अनंत निर्माता के अधीन रहते हैं। और पतित लोगों के रूप में, यहाँ तक कि महान संत भी, इस जीवन में बहुत अपूर्ण रूप से परमेश्वर को प्रतिबिम्बित करते हैं। फिर भी, हम उसके लोगों में परमेश्वर के संचारी गुणों का आंशिक प्रतिनिधित्व देखते हैं।

यहाँ, हम विशिष्ट उदाहरण देते हैं कि कैसे उन विशेषताओं ने इस्राएलियों की मान्यताओं को प्रभावित किया। हम पुराने नियम में परमेश्वर के लोगों के बारे में बात कर रहे हैं। और अब हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि उन्हें उनके परमेश्वर द्वारा कैसे परिभाषित किया जाता है।

यहाँ, उसके गुणों के द्वारा। परमेश्वर का व्यक्तित्व गुण उसके लोगों को उसे व्यक्तिगत रूप से जानने में सक्षम बनाता है। विश्व धर्मों के देवताओं से दूर, वह ब्रह्मांड के समान नहीं है।

उसने इसे बनाया। वह पूरी तरह से पारलौकिक नहीं है जो इतना दूर है कि उसका कोई संबंध नहीं है। वह पूरी तरह से अलग हो गया है।

वह पूरी तरह से पारलौकिक नहीं है। वह हमारे भीतर कोई उच्चतर चेतना नहीं है। नए युग की बकवास।

मेरी फ्रेंच भाषा को माफ़ करें। लेकिन वह एक ऐसा व्यक्ति है जो जानता है और जिसे जाना जा सकता है। दाऊद के शब्दों पर गौर करें, जो परमेश्वर के हृदय के अनुसार एक व्यक्ति है।

1 शमूएल 13:14. हे प्रभु, हे मेरे बल, मैं तुझ से प्रेम करता हूँ। भजन संहिता 18:1. उसने परमेश्वर से पूछा, उद्धारण, अपने विश्वासयोग्य प्रेम को उन लोगों पर फैलाओ जो तुम्हें जानते हैं।

भजन 36:10. हालाँकि हम पूरी तरह से समझ नहीं सकते, लेकिन शास्त्र सिखाता है कि परमेश्वर पूर्ण रूप से प्रभुता संपन्न है जबकि मनुष्यों के पास वास्तविक स्वतंत्रता है। यूसुफ ने अपने भाइयों द्वारा धोखा दिए जाने पर भी परमेश्वर की प्रभुता को स्वीकार किया।

उसने अपने भाई को गुलामी में बेचने के पाप से इनकार नहीं किया। लेकिन एक और अधिक अंतिम कारण पर गौर करें। उद्धरण, यह आप नहीं थे जिन्होंने मुझे यहाँ, मिस्र, जहाँ उसने फिरौन के अधीन शासन किया था, बल्कि परमेश्वर ने भेजा था, उत्पत्ति 45, 8। यूसुफ ने कबूल किया, उद्धरण, आपने मेरे खिलाफ बुराई की योजना बनाई।

परमेश्वर ने अच्छे के लिए योजना बनाई ताकि वर्तमान परिणाम सामने आए, बहुत से लोगों का बचना। उत्पत्ति 50:20. बहुत से लोग, जिनमें उसके सड़े हुए भाई भी शामिल हैं।

मूसा के माध्यम से, परमेश्वर ने यहोशू को वह बुद्धि प्रदान की जिसकी उसे परमेश्वर के लोगों का नेतृत्व करने के लिए आवश्यकता थी। उद्धरण, यहोशू, जो किसी का पुत्र नहीं था, बुद्धि की आत्मा से भर गया क्योंकि मूसा ने उस पर अपने हाथ रखे थे। व्यवस्थाविवरण 34:9. जब परमेश्वर ने नबूकदनेस्सर के स्वप्न और उसकी व्याख्या को दानिय्येल को बताया, तो दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर की स्तुति की और घोषणा की, परमेश्वर के नाम की स्तुति सदा सर्वदा होती रहे क्योंकि बुद्धि और शक्ति उसी की है।

दानिय्येल 2:20. उसने यह नहीं कहा, कि मैं कितना बुद्धिमान हूँ। उसने वहीं प्रशंसा की जहाँ वह उचित थी।

हाँ, वे उसके हैं, बुद्धि और शक्ति। और दयालुता में, उद्धरण, प्रभु अपने लोगों को बुद्धि देता है। नीतिवचन 2, 6। भजनहार सत्य के परमेश्वर पर भरोसा करता है।

यह एक उद्धरण है। भजन 31:5। जिसका वचन न केवल आंशिक रूप से, बल्कि संपूर्ण रूप से सत्य है। भजन 119:160।

इसलिए, परमेश्वर के लोग सत्य का मार्ग चुनते हैं। ये सभी भजन 119, पद 30 से उद्धरण हैं। और उससे प्रार्थना करें कि वह उनके मुँह से सत्य का वचन कभी न छीने।

पद 43. यहाँ अब्राहम सबसे उल्लेखनीय है, जिसने, उद्धरण, प्रभु पर विश्वास किया और उसने उसे धार्मिकता गिना। उत्पत्ति 15:6. तब हमें आश्चर्य नहीं होता जब नया नियम अब्राहम को उन लोगों के आदर्श के रूप में मानता है जो मानते हैं कि परमेश्वर और उसका वचन केवल सत्य बोलते हैं।

रोमियों 4:16 से 22. गलातियों 3:5 से 9. इब्रानियों 11:8 से 10:17 से 19. रोमियों 4:16 से 22.

गलातियों 3:5 से 9. इब्रानियों 11:8 से 10. इब्रानियों 11:17 से 19. यरूशलेम के पतन पर विलाप करते हुए, उद्धरण, हमारा हृदय सिय्योन पर्वत के कारण दुखी है, जो उजाड़ पड़ा है।

विलापगीत 5:17. वफादार इस्राएली प्रभु के वफादार प्रेम को याद करते हैं। विलापगीत 3:22.

और घोषणा करो, तेरी सच्चाई महान है। श्लोक 23. वे भविष्य को अपने वाचा-पालन करने वाले परमेश्वर को सौंपते हैं।

उद्धरण, यहोवा मेरा भाग है। इसलिए, मैं उस पर अपनी आशा रखूँगा। विलापगीत 5:24।

वे पुकारते हैं, हे प्रभु, हमें अपने पास वापस ले आ ताकि हम लौट सकें, हमारे दिन पहले की तरह नए हो जाएँ। पद 21. यशायाह परमेश्वर की पवित्रता के आघात का अनुभव करता है।

जब वह अपने मंदिर में राजा के रूप में बैठे ईश्वर के दर्शन को देखता है, तो सेराफिम ईश्वर की पवित्रता और महिमा की घोषणा करता है। इसलिए, यशायाह चिल्लाता है, उद्धरण, हाय मुझ पर, क्योंकि मैं नाश हो गया हूँ क्योंकि मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूँ और अशुद्ध होठों वाले लोगों के बीच रहता हूँ क्योंकि मेरी आँखों ने राजा, सेनाओं के यहोवा को देखा है। यशायाह 6:5। दयापूर्वक, ईश्वर प्रतीकात्मक रूप से यशायाह को शुद्ध करता है और क्षमा करता है।

और भविष्यवक्ता परमेश्वर की सेवा करने के लिए स्वेच्छा से आगे आता है। श्लोक 6 से 8. पुराने नियम के लोगों के लिए, परमेश्वर की धार्मिकता का अर्थ है कि, उद्धरण, वह धार्मिक कार्यों से प्रेम करता है। भजन 11 :7. इसका अर्थ है कि वह दोषी को दण्डित किए बिना नहीं छोड़ेगा।

निर्गमन 34:7. और धर्म और सच्चाई से जगत का न्याय करेगा। भजन संहिता 96:13. इब्रानी दास के लिए, परमेश्वर की धार्मिकता का अर्थ यह भी है कि वह अपने स्वामी के साथ छह साल की दासता के बाद उसकी परवाह करता है और उसे आज़ादी देता है, उसे खाली हाथ नहीं भेजता बल्कि भेड़-बकरियों, खलिहान और दाखरस के कुण्ड से भरपूर आपूर्ति देता है।

व्यवस्थाविवरण 15:13 से 14. इब्रानी स्वामियों के लिए, परमेश्वर की धार्मिकता का अर्थ था दासों के साथ उनके व्यवहार में यह याद रखना कि वे मिस्र में दास थे, इससे पहले कि प्रभु ने उन्हें छुड़ाया। व्यवस्थाविवरण 15:15.

निर्गमन 34:6 और 7 में परमेश्वर के चरित्र का महान रहस्योद्घाटन, परमेश्वर की दया, अनुग्रह, सहनशीलता, दृढ़ प्रेम और विश्वासयोग्यता पर केंद्रित है। श्लोक 6 और 7. ये गुण राजा दाऊद के साथ परमेश्वर के व्यवहार में चमकते हैं। अपने महान पापों को करने के बाद, दाऊद ने दूसरे व्यक्ति की पत्नी बतशेबा के साथ व्यभिचार किया, और फिर उसके पति उरीया को मार कर इसे छुपा दिया।

2 शमूएल 11:2 से 4:14 से 17. जब दाऊद ने पश्चाताप किया और नाजायज़ बच्चे का जन्म हुआ और वह मर गया, तो दाऊद ने शोक करना बंद कर दिया। उसने बतशेबा को सांत्वना दी, उसके साथ सोया और उसने सुलैमान को जन्म दिया।

अगले शब्द बहुत ही दिलचस्प हैं। उद्धरण, उसने एक बेटे को जन्म दिया और उसका नाम श्लोमो, सुलैमान रखा। प्रभु उससे प्रेम करते थे, और उन्होंने नबी नाथन के द्वारा एक संदेश भेजा, जिसने प्रभु के कारण उसका नाम यदीदियाह रखा।

2 शमूएल 12:24, 25. यदीदियाह का मतलब है यहोवा का प्रिय, और वह वाकई था। दाऊद के बाद सुलैमान राजा बना, उसने मंदिर बनवाया और देश में शांति और सुरक्षा लाई।

1 इतिहास 22:9 की तुलना करें। इसके बारे में 1 और 2 शमूएल पर वनोय कमेंट्री, पृष्ठ 336 में और पढ़ें। होशे का जीवन परमेश्वर की कृपा को शानदार ढंग से उजागर करता है। भविष्यवक्ता ने गोमेर को पत्नी के रूप में लेकर परमेश्वर की आज्ञा का पालन किया, जो वनोय की व्याख्या के अनुसार, संभावित वेश्यावृत्ति की महिला थी।

होशे 1, 2, और 3. उसकी पत्नी के कार्य और बच्चों के नाम दोनों ही इस्राएल के आध्यात्मिक व्यभिचार और मूर्तिपूजा का प्रतीक हैं। उदाहरण के लिए, परमेश्वर ने होशे से कहा कि वह अपने बेटे का नाम लो-अम्मी रखे, न कि मेरे लोग, क्योंकि तुम मेरे लोग नहीं हो, और मैं तुम्हारा परमेश्वर नहीं होऊंगा। यह वाचा के वादे का उल्टा है, वाचा के वादे का इन्कार है।

श्लोक 8, गोमेर द्वारा व्यभिचार करने के बाद भी, परमेश्वर होशे से उसे वापस लेने के लिए कहता है। फिर से जाओ, एक व्यभिचारिणी स्त्री से प्रेम करो, जैसा कि मैं, यहोवा, इस्राएलियों से प्रेम करता हूँ, भले ही वे अन्य देवताओं की ओर मुड़ें। होशे का गोमेर के साथ संबंध इस्राएल के प्रभु के साथ संबंध को दर्शाता है।

पुस्तक का समापन परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को पश्चाताप करने के लिए बुलाने और उनके प्रति अपने प्रेम की पुष्टि करने के साथ होता है। वह एक धीरज रखने वाला परमेश्वर है। वाह! होशे 14:1 से 4। होशे एक जिद्दी लोगों के प्रति परमेश्वर की कृपा की गवाही देता है जो उससे ज़्यादा मूर्तियों से प्यार करते हैं।

रूथ की कहानी ईश्वर की दया से भरी हुई है। वह मोआब में पैदा हुई थी, एक ऐसा देश जो इस्राएल का दुश्मन था और जो केमोश देवता की पूजा करता था, जो मानव बलि की मांग करता था। ईश्वर के लोगों से दूर, उसने और ओर्पा ने हिब्रू पुरुषों से विवाह किया जो मोआब चले गए थे।

ओर्पा के विपरीत, जो मोआब में ही रही, रूथ अपनी सास नाओमी के साथ अपने पैतृक देश इसराइल चली गई। वहाँ, परमेश्वर ने रूथ पर दया दिखाई और उसे बोअज़ के संरक्षण में लाया, जो एक धर्मी व्यक्ति था और जिसने उसे अपने खेतों में कटाई-छंटाई करने की अनुमति दी। नाओमी के मार्गदर्शन का पालन करते हुए, रूथ ने बोअज़ को बताया कि वह उसकी पत्नी बनना चाहती है।

उसने उसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, और कानूनी रीति-रिवाजों को पूरा करने के बाद, उसने उसे और उसके पति की ज़मीन को छुड़ाने का अधिकार प्राप्त कर लिया। रूथ ने बोअज़ को एक बेटा, ओबेद, जन्म दिया, जो राजा दाऊद का दादा था, और इस प्रकार यीशु मसीह, मसीहा की वंशावली में था। ईश्वर की दया, दया, दया।

और कितना सुंदर है। हमें न्यायियों की घिनौनी किताब के बाद रूत की किताब की ज़रूरत है। ओह।

परमेश्वर की उदारता, योनातन के अपंग बेटे, मपीबोशेत के साथ दाऊद के व्यवहार में भरपूर रूप से दिखाई देती है। शाऊल का बेटा और दाऊद का दोस्त योनातन, अपने पिता के साथ युद्ध में मारा गया था, 1 शमूएल 31:2। दाऊद योनातन की खातिर शाऊल के परिवार में किसी के प्रति दया दिखाना चाहता था।

यह एक उद्धरण है, 2 शमूएल 9:1. और अगर मपीबोशेत राजा के सामने पेश होता, तो प्राचीन राजाओं के लिए प्रतिद्वंद्वी के परिवार को खत्म कर देना, खास तौर पर पुरुषों को खत्म कर देना प्रथागत होता। दाऊद ने ऐसा कुछ सोचा भी नहीं था।

जब दाऊद ने उसे आशीर्वाद देने की अपनी योजना बताई, तो मपीबोशेत रो पड़ा, "आपका सेवक कौन है कि आप मेरे जैसे मरे हुए कुत्ते में दिलचस्पी लेते हैं?" 2 शमूएल 9 की आयत 8. लेकिन दाऊद के ज़रिए, परमेश्वर ने अपंग मपीबोशेत के प्रति भलाई दिखाई। दाऊद ने शाऊल के खेत उसे वापस कर दिए और मपीबोशेत की ज़रूरतें पूरी कीं ताकि वह हमेशा राजा की मेज़ पर खा सके। यह एक उद्धरण है, आयत 13.

हालाँकि अय्यूब का धैर्य यादगार है, लेकिन पुराने नियम के एक और संत नूह का धैर्य भी यादगार है, जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। ईश्वर की कृपा का प्राप्तकर्ता, उत्पत्ति 6-8, नूह की कहानी ईश्वर के धैर्य की कहानी है। उद्धरण, नूह के दिनों में जब जहाज़ तैयार किया जा रहा था, तब ईश्वर ने धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की।

इसमें कुछ लोग, यानी आठ लोग, पानी के ज़रिए बच गए। 1 पतरस 3:20. परमेश्वर बहुत दुखी था, उद्धरण, क्योंकि पृथ्वी पर मानवीय दुष्टता व्यापक थी।

उत्पत्ति 6:5. और उसने मानवजाति को एक बड़ी बाढ़ से नष्ट करने का निश्चय किया। इस मामले पर बहस होती है, लेकिन वाल्टके का तर्क है कि मनुष्य के दिनों की सबसे अच्छी व्याख्या 120 वर्ष होगी।

पद 3 यह है कि यह न्याय की इस घोषणा और जल प्रलय के बीच के समय की अवधि को संदर्भित करता है। उत्पत्ति 5:32 और 7:6 देखें। जल प्रलय द्वारा परमेश्वर का आने वाला न्याय अनुग्रह से परिपूर्ण है।

1 पतरस 3:20. 120 साल की देरी लोगों को पश्चाताप करने का समय देती है और नूह और उसके विशाल जहाज़ के ज़रिए आने वाले न्याय की गवाही देती है। यह वाल्टके का उद्धरण है।

नूह, धार्मिकता के प्रचारक, दूसरे पतरस 2-5, ने धैर्यपूर्वक अपने समकालीनों को चेतावनी दी। मेरे पास एक सेमिनरी प्रोफेसर था जिसने एक बार धर्मोपदेश दिया था। मुझे अपने जीवन में बहुत से धर्मोपदेश याद नहीं हैं।

मुझे यह याद है। जॉन ग्रॉली ने नूह, एक सफल उपदेशक पर उपदेश दिया था। आप कहते हैं, उसने 120 साल तक उपदेश दिया? और उसके पास सिर्फ उसका अपना परिवार था? और उसने कहा, हाँ।

और यह परमेश्वर द्वारा दी गई एक महान सफलता थी। परमेश्वर की महिमा उसकी अंतर्निहित, शानदार महिमा है जो उसके प्राणियों के प्रति प्रकट होती है जो उनकी प्रशंसा की प्रतिक्रिया को उजागर करती है। आश्चर्यजनक रूप से, वह न केवल महिमावान है और अपनी महिमा प्रकट करता है ताकि हम उसकी प्रशंसा में महिमा करें, बल्कि वह अपनी महिमा को विश्वासियों के साथ साझा करता है।

अब, मैं यूहन्ना 17:22 और 2 कुरिन्थियों 3:18 को समझाऊंगा, जो मेरे लिए बहुत कठिन आयतें हैं। जब विश्वासी दर्पण में परमेश्वर के पुत्र को देखते हैं, तो परमेश्वर उन्हें एक महिमा से दूसरी महिमा में ले जाता है। परमेश्वर अब विश्वासियों के साथ अपनी महिमा साझा करता है, इसे प्रदान करता है और अंत में, महिमा में।

2 कुरिन्थियों 4:17, 2 थिस्सलुनीकियों 2:14, मूसा पुराने नियम का वह व्यक्ति है जो परमेश्वर की महिमा से सबसे अधिक परिचित है। वह साहसपूर्वक परमेश्वर से पूछता है, कृपया मुझे अपनी महिमा दिखाओ। निर्गमन 33-18।

वाह! नम्र मूसा बहुत साहसी बन गया। और परमेश्वर ने ऐसा किया।

निर्गमन 33, श्लोक 20-23, 34:5-8. मूसा को यह एहसास नहीं हुआ कि प्रभु से बात करने के कारण उसके चेहरे की त्वचा चमक उठी थी। निर्गमन 34:29.

वास्तव में, उद्धरण, इस्राएली मूसा के चेहरे की महिमा के कारण स्थिर होकर उसकी ओर नहीं देख पा रहे थे। 2 कुरिन्थियों 3:7. हालाँकि, प्रभु ने सबसे अच्छी बात को आखिर के लिए बचाकर रखा।

क्योंकि जब तम्बू बनकर तैयार हो गया, तो परमेश्वर की उपस्थिति के बादल ने, मिलापवाले तम्बू को ढक लिया, और यहोवा का तेज मिलापवाले तम्बू में भर गया। मूसा मिलापवाले तम्बू में प्रवेश नहीं कर सका क्योंकि बादल उस पर ठहर गया था, और यहोवा का तेज मिलापवाले तम्बू में भर गया। निर्गमन 40:34-35.

परमेश्वर का अपना व्यक्तित्व और चरित्र उसके पुराने नियम के लोगों को परिभाषित करता है। इतना ही नहीं, हम परमेश्वर के लोगों और प्रायश्चित को भी देखते हैं। अनुग्रह में, परमेश्वर ने अपने पुराने नियम के लोगों के लिए प्रायश्चित प्रदान किया।

यह भी उन्हें परिभाषित करता है, क्योंकि प्राचीन निकट पूर्व के सभी लोगों में से, केवल उन्हीं को, जीवित और सच्चे परमेश्वर ने पुजारी, वेदियाँ और बलिदान दिए जो पापों को दूर करते हैं। याद रखें, मैंने इन व्याख्यानों में पहले कहा था, हमें न केवल नए नियम से पीछे देखने की ज़रूरत है

और पुराने नियम की आलोचना अपरिपक्वता और इसी तरह की अवधि के रूप में करनी चाहिए, है न? उन्हें हर समय बलिदान करना पड़ता था और हर साल प्रायश्चित का दिन होता था। मसीह अब आ गया है, और अब कोई बलिदान नहीं है, यह सच है।

लेकिन उनके लिए सिर्फ पीछे देखना उचित नहीं है। अगर हम खुद को उनके संदर्भ में रखें और चारों ओर देखें तो बहुत दुख होता है! वे ऐसे लोग हैं जिनके लिए परमेश्वर ने प्रायश्चित किया, और इस प्रकार, उन सभी को क्षमा कर दिया गया जिन्होंने विश्वास किया। परमेश्वर ने उस समय ग्रह पर किसी अन्य लोगों के लिए ऐसा नहीं किया था।

मैं जानता हूँ कि वह शुरू से ही एक मिशनरी ईश्वर था, और इस्राएल के अंत में सच्चा इस्राएली, प्रभु यीशु आने वाला है। मैं इसे समझता हूँ। अब्राहम का पुत्र, दाऊद का पुत्र, इत्यादि।

और प्रेरितों के काम की पुस्तक में सुसमाचार दुनिया भर में जाने वाला है, लेकिन... और इस्राएल को राष्ट्रों के लिए एक प्रकाश माना जाता था, लेकिन वह असफल रहा। लेकिन चारों ओर देखने पर, मैंने देखा कि सभी लोगों में से यह व्यक्ति धन्य था। लैव्यव्यवस्था ईश्वर द्वारा निर्धारित बलिदानों पर ध्यान केंद्रित करती है जो विश्वास करने वाले उपासकों को क्षमा प्रदान करते हैं, विशेष रूप से प्रायश्चित के दिन।

यशायाह ने प्रभु के एक पापरहित सेवक की भविष्यवाणी की है जो किसी और की तरह बलिदान नहीं देगा। लैव्यव्यवस्था 1 से 6 के बलिदान। बलिदानों पर एक संक्षिप्त नज़र डालने के बाद, हम प्रायश्चित के दिन, लैव्यव्यवस्था 16 पर ध्यान केंद्रित करेंगे, और फिर यशायाह 53 पर विचार करेंगे। हम लैव्यव्यवस्था 1:1 से 6:7 में पाँच प्रकार के बलिदानों के उद्देश्यों के बारे में जे. स्कलर के विश्लेषण और सारांश का अनुसरण करेंगे। जे. स्कलर कुछ वर्षों तक सेंट लुइस में कोवेनेंट सेमिनरी में मेरे अकादमिक डीन थे।

वे लेवित्स की पुस्तक के विश्व विशेषज्ञों में से एक हैं, उन्होंने प्रोफेसर वेनहम, ओल्ड टेस्टामेंट वेनहम के अधीन अध्ययन किया है, और उन्होंने टिंडेल कमेंट्री, लेवित्स पर प्रतिस्थापन कमेंट्री लिखी है, और अब क्रॉसवे द्वारा किसी भी दिन जारी की जाने वाली एक बड़ी, पूर्ण कमेंट्री लिखी है। मैं विभिन्न बलिदानों, होम, अनाज, संगति, शुद्धिकरण, क्षतिपूर्ति, और फिर प्रत्येक के उद्देश्यों का वर्णन करने जा रहा हूँ। होमबलि लेवित्स 1:3 से 17 में दी गई है।

उद्देश्य। प्रायश्चित और याचना या स्तुति की प्रार्थनाओं को रेखांकित करना। अन्नबलि, अध्याय 2:1 से 16।

यह अक्सर होमबलि, भेंट के उद्देश्य को दर्शाता है। क्षमा करें, यह अक्सर उस भेंट के उद्देश्य को दर्शाता है जिसके साथ यह चढ़ाया जाता है। मेलमिलाप की भेंट, लैव्यव्यवस्था के अध्याय 3 की आयत 1 से 17। प्रभु और साथी इस्राएलियों के साथ वाचा की संगति को रेखांकित करता है।

शुद्धिकरण बलिदान, लैव्यव्यवस्था 4:1 से 5:13। विशिष्ट प्रकार के पापों के लिए प्रायश्चित, और यह शुद्धिकरण का एक रूपक है। क्षतिपूर्ति बलिदान, 5:14 से 6:7। विशिष्ट प्रकार के पापों के लिए प्रायश्चित, गलत कामों के लिए मुआवज़ा का रूपक।

हालाँकि हम पाँच प्रकार के बलिदानों के उद्देश्यों में विभिन्न बारीकियों को देखते हैं, लेकिन वे परमेश्वर द्वारा अपने लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित्त करने की अवधारणा को साझा करते हैं। अनुग्रह में, परमेश्वर ने केवल इस्राएल के साथ वाचा बाँधी और उन्हें पंथ, संपूर्ण बलिदान प्रणाली के बारे में अपनी इच्छा प्रकट की। ऐसा इसलिए था ताकि वे उसकी पवित्रता, अपने पाप और उसके प्रेम को कभी न भूलें।

लैव्यव्यवस्था 1 से 6 में इस संबंध में लोगों और पुजारियों की जिम्मेदारियों का विवरण दिया गया है। अक्सर भगवान की भूमिका को भुला दिया जाता है, जिस पर स्क्लर ने प्रकाश डाला है। जे. स्क्लर, स्क्लर एक वफादार भाई, एक महान विद्वान, ओह माय, वह फ्रेंच सीखना चाहता था, इसलिए उसने एक फ्रांसीसी महिला को अपने कार्यालय में बुलाया, आप उन्हें वहाँ देख सकते थे, और उसने उसे पढ़ाया, इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसने कार्यालय से बहुत कुछ किया, और फिर वह फ्रांसीसी स्कूल में गया, फ्रांस में सुधारित स्कूल, मैं इसका नाम भूल गया हूँ, शायद यह आएगा, फ्रेंच में व्याख्यान देने के लिए एक छोटा सा स्कूल, उसने कहा कि पहली बार यह वास्तव में कठिन था, और उसने कहा, अचानक, धमाका, यह क्लिक हो गया।

खैर, भगवान उपहार देता है। हे भगवान। आह।

प्रोवेंस, फ्रांस में, ऐक्स-एन-प्रोवेंस एक जगह है। अक्सर भूल जाते हैं कि पूरे बलिदान पंथ में भगवान की भूमिका क्या है, जैसा कि स्क्लर ने बताया। बलिदान वास्तव में कुछ ऐसा था जो इस्राएलियों ने भगवान को दिया था, लेकिन यह सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण चीज थी जो उसने उन्हें अपने अनुग्रह में पापों के प्रायश्चित्त और उस क्षमा को प्राप्त करने के साधन के रूप में दी थी जिसे वे इतनी उत्सुकता से चाहते थे।

यह ईश्वर से मोक्ष पाने की सामान्य मानवीय प्रवृत्ति के बिल्कुल विपरीत है। यह एक साहसिक घोषणा है कि मोक्ष केवल तभी मिलता है जब ईश्वर अपनी कृपा से हमें यह प्रदान करता है। स्क्लर, *लेविटस*, टिंडेल, ओल्ड टेस्टामेंट कमेंट्रीज़, पृष्ठ 54।

मुख्य रूप से, प्रायश्चित्त का दिन, अभी भी स्क्लर को उद्धृत करते हुए, ईश्वर की कृपा और क्षमा को प्रदर्शित करता है, जो उसके पुराने नियम के लोगों को परिभाषित करता है। लैव्यव्यवस्था 16 इस्राएल के बलिदान कैलेंडर पर सबसे महत्वपूर्ण दिन, प्रायश्चित्त के दिन का वर्णन करता है। पुराने नियम के प्रसिद्ध विद्वान आर.के. हैरिसन लिखते हैं कि इस अध्याय में वह अनुष्ठानिक और धार्मिक धुरी शामिल है जिस पर लैव्यव्यवस्था की पूरी पुस्तक घूमती है।

स्क्लर ने हैरिसन को उनके *लेविटस* टिंडेल ओल्ड टेस्टामेंट कमेंट्री से उद्धृत किया, जो स्क्लर की टिप्पणी थी, जिसने आरके हैरिसन के काम की जगह ली! हैरानी! वैसे भी, वे दोनों उत्कृष्ट विद्वान हैं। 1980 से विद्वत्ता में प्रगति हुई है, और स्क्लर वॉल्यूम 2014 में है। ईश्वर द्वारा मूसा को सबसे पवित्र स्थान में प्रवेश करने के लिए हारून के दो बेटों की मृत्यु की याद दिलाने के बाद, अभी भी अवज्ञा में उद्धृत करते हुए, वह हारून को निर्देश देता है कि वह ईश्वर से कैसे संपर्क करे।

लैव्यव्यवस्था 16:1-5. इस अध्याय में हारून के कर्तव्यों का अवलोकन, आयत 1-10, तीन बलिदानों का विवरण, आयत 11-28, तथा अनुष्ठान का संस्थागतकरण, जिसमें इस्राएल की आध्यात्मिक तैयारी के लिए निर्देश, आयत 29-34 शामिल हैं। हम तीन संस्कारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

दरअसल, मैंने जो आखिरी पैराग्राफ पढ़ा है, वह स्क्लर का नहीं है। यह मेरा है - लंबी कहानी है।

लैव्यव्यवस्था 16 में प्रायश्चित का दिन। प्रायश्चित के दिन महायाजक ने तीन बलिदान चढ़ाए। इनमें हारून और उसके परिवार के लिए एक बैल की पापबलि, दो बकरों की पापबलि और दो मेढ़ों की होमबलि शामिल थी।

एक अपने लिए, एक लोगों के लिए। यह सब लैव्यव्यवस्था 16 है। सबसे पहले, हारून को पवित्र स्थान में दया के आसन के पास जाने से पहले एक बैल की पापबलि के साथ अपने और अपने घराने के लिए प्रायश्चित करना था।

लैव्यव्यवस्था 16:6-11. जब तक मैं अन्यथा न कहूँ, अन्य सभी उद्धरण लैव्यव्यवस्था 16 से होंगे। हारून को धूप का बादल बनाकर दया के आसन को ढकना था ताकि वह मर न जाए।

श्लोक 12-13. हर्दज़ समझाता है. हर्दज़ को किराये की कार पसंद है.

जेएच हर्दज़, *लेविटिक्स*। धूपबत्ती के धुएं का उद्देश्य एक पर्दा बनाना था जो महायाजक को पवित्र उपस्थिति पर नज़र रखने से रोकेगा, ताकि वह मर न जाए।

वाह! महायाजक बनना एक गंभीर काम है। खैर, हारून के बेटे होने के नाते, वे एक बाई-हू शो में भाग लेते हैं। इसके बाद, हारून को दया के आसन के पूर्वी हिस्से पर बैल के खून को सात बार छिड़कना है।

पद 14. दूसरा, हारून को पापबलि के रूप में दो बकरों की बलि देनी थी। वह एक की बलि देता है और दूसरे को जंगल में भेज देता है।

हारून लोगों के पापों के लिए शुद्धिकरण की भेंट के रूप में पहले बकरे को मारता है, और उसके खून को दया के आसन पर छिड़कता है। उद्धरण, इस प्रकार वह पवित्र स्थान के लिए प्रायश्चित करेगा, इस्राएल के लोगों की अशुद्धता और उनके अपराधों, उनके सभी पापों के कारण। वह मिलाप के तम्बू के लिए भी प्रायश्चित करता है, आयत 16-17, और उद्धरण, वेदी के लिए जो प्रभु के सामने है, आयत 18।

इस्राएल के पाप परमेश्वर के निवास स्थान को अपवित्र करते हैं। उसका निवास स्थान, उसकी वेदी और पवित्र स्थान। और परमेश्वर कृपापूर्वक उन दोनों के लिए, वेदी और पवित्र स्थान, परम पवित्र स्थान, और लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है।

इस्राएल के पाप ने परमेश्वर के सबसे पवित्र स्थान को प्रदूषित कर दिया है। और इसके लिए प्रायश्चित्त करना होगा। परमेश्वर की पवित्रता में कोई कमी नहीं है, इस्राएल की पवित्रता में भी उतनी ही कमी है।

हारून को दूसरे बकरे के सिर पर हाथ रखना है और इस्राएल के लोगों के सभी पापों को स्वीकार करना है। प्रतीकात्मक रूप से, वह उन्हें बकरे के सिर पर रखता है और उसे जंगल में भेज देता है। बकरा उनके सभी पापों को दूर के क्षेत्र में ले जाता है, जहाँ उसे मुक्त किया जाना है।

लैव्यव्यवस्था 16, फिर भी, श्लोक 20-22। एलन रॉस प्रतीकात्मकता को उजागर करते हैं। "हारून ने बकरे पर अपने दोनों हाथ रखे ताकि बकरे पर पाप का स्थानांतरण सुनिश्चित हो सके। फिर उसने इस्राएल की सारी दुष्टता और विद्रोह, उनके सारे पापों को स्वीकार किया। और इन पापों को बकरे पर डाल दिया गया, ताकि उन्हें जंगल में ले जाया जा सके।"

हारून के कार्य स्पष्ट रूप से प्रतिस्थापन बलिदान को दर्शाते हैं। हाथ प्रतिस्थापन के साधन हैं। बकरे का जंगल में जाना लोगों के पापों को दूर करने का प्रतीक है।

उदाहरण के लिए, बकरा उनके सभी अधर्मों को अपने ऊपर उठाकर दूर के इलाके में ले जाएगा, श्लोक 22। प्रायश्चित्त के दिन की रस्म में शामिल दो बकरियाँ तब लोगों के लिए प्रतिस्थापन बलिदान हैं। तीसरा, हारून को अपने लिए होमबलि के लिए एक मेढ़ा चुनना था, श्लोक 3। उसे इस्राएली समुदाय से पापबलि के लिए दो नर बकरे और होमबलि के लिए एक मेढ़ा भी चुनना था, श्लोक 5। दो बकरियों की बलि देने के बाद, हारून को अपने लिनन के वस्त्र पवित्र स्थान पर छोड़कर स्नान करना था।

फिर उसे बाहर आकर अपनी होमबलि और लोगों की होमबलि चढ़ानी थी और अपने और लोगों के लिए प्रायश्चित्त करना था, श्लोक 24। स्क्लर प्रायश्चित्त के दिन को इस्राएलियों के पाप और अशुद्धता के लिए परमेश्वर के समाधान के रूप में चित्रित करता है। लेविटिकस में पुराने नियम के विद्वानों में स्क्लर का योगदान, अपने शोध प्रबंध में, इस बारे में बात करना था कि कैसे परमेश्वर ने दो समस्याओं से अलग-अलग तरीकों से निपटा: उनका पाप और उनकी अशुद्धता।

वे एक जैसे नहीं थे, लेकिन समाधान दोनों के लिए बलिदान के माध्यम से भगवान की कृपा थी। इस्राएलियों को एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। पवित्र प्रभु अब उनके बीच में रहते थे, लेकिन उनके पापों और अशुद्धियों ने उनके पवित्र निवास को अपवित्र कर दिया।

पवित्र प्रभु उनके बीच कैसे रह सकते थे बिना उनके विरुद्ध न्याय किए? एक नियमित प्रायश्चित्त समारोह, प्रायश्चित्त दिवस के माध्यम से, जो इस्राएलियों के पापों और अशुद्धियों को शुद्ध और दूर करता था ताकि वे उसके साथ वाचा की संगति में बने रह सकें। समारोह के केंद्र में तीन संस्कार थे, जिनमें से प्रत्येक अपने तरीके से प्रायश्चित्त करता था। एक साथ लिया जाए तो, इन संस्कारों ने इस्राएलियों के लिए पूरी तरह से प्रायश्चित्त किया।

उनके पाप और अशुद्धियाँ अब वहाँ नहीं थीं। स्लेट पूरी तरह से साफ थी। भजन 103 आयत 12 से तुलना करें।

पवित्र परमेश्वर, जो पाप और अशुद्धता से नाराज होता है, वह दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर भी है जो इसे शुद्ध करने और क्षमा करने में प्रसन्न होता है। स्काईलर, लैव्यव्यवस्था 16:1 से 34 पर *लैव्यव्यवस्था*। प्रायश्चित का दिन परमेश्वर के पुराने नियम के लोगों को उन लोगों के रूप में परिभाषित करता है जिनके लिए उसने प्रायश्चित किया और जिनके पापों को उसने क्षमा कर दिया है।

जैसा कि बाद में दाऊद ने स्तुति में गाया, उद्धरण, प्रभु दयालु और अनुग्रहकारी है, क्रोध करने में धीमा और विश्वासयोग्य प्रेम से भरपूर है। वह हमेशा दोष नहीं लगाएगा या हमेशा क्रोधित नहीं रहेगा। उसने हमारे पापों के अनुसार हमारे साथ व्यवहार नहीं किया है या हमारे अधर्म के अनुसार हमें बदला नहीं दिया है।

क्योंकि आकाश पृथ्वी से जितना ऊँचा है, उसकी करूणा उसके डरवैयों के ऊपर उतनी ही महान है। और पूर्व पश्चिम से जितनी दूर है, उसने हमारे अपराधों को हमसे उतनी ही दूर कर दिया है। भजन 10:8 से 10.

हमारे अगले व्याख्यान में, हम यशायाह 53 में प्रभु के बलिदान के सेवक पर विचार करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 5 है, पुराने नियम में परमेश्वर के लोग, उनका परमेश्वर, प्रायश्चित।